हत्या लापरवाही पर भड़का आक्रोश, थाने का किया घेराव

लहूलुहान फरियादी को पुलिस ने लॉकअप में डाला, मौत

नवभारत,जबलपुर। बेलखेड़ा थाना अंतर्गत पिपरिया कला में उधारी के विवाद पर युवक की बेरहमी से पिटाई की गई और पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर करने के बजाए पीड़ित को ही घंटों लॉकअप में बंद रखकर प्रताड़ित किया। बाद में उसे अस्पताल भेज दिया। बुधवार सुबह अस्पताल में युवक की मौत हो गई। इसके बाद आक्रोश भड़क गया। परिजन और ग्रामीण शव को लेकर थाने पहुंचे और शव को थाने के अंदर ही रख दिया और मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया गया कि पुलिस ने घंटों पीड़ित को लॉकअप में बंद रखा। समय पर एफआईआर नहीं की और अस्पताल भेज दिया। पीड़ित को लॉकअप में बंद रखने से समय पर इलाज नहीं मिला जिसके चलते उसकी मौत हुई है।

पीड़ित उमेश घोषी (37), निवासी पिपरिया कला के अनुसार 8 जून की रात लगभग 9 बजे उनके छोटे भाई इंदर सिंह घोषी का गांव के चंदू लोधी, हेमराज लोधी, चरन सिंह लोधी और रामफल लोधी से उधारी के पैसों को लेकर विवाद हुआ था। उस समय उमेश ने बीच-बचाव किया और दोनों भाई घर लौट आए। रात करीब 10 बजे चारों आरोपी लाठी-डंडे और लोहे के राइजर पाइप लेकर उमेश के घर के आंगन में घुस गए और इंदर के सिर पर जोरदार हमला कर दिया। भाई को बचाने दौड़े उमेश पर रामफल ने डंडे से वार कर उसको भी चोटिल कर दिया। बीच-बचाव करने आई भाभी बिग्गो बाई पर भी हमला किया।

एसपी से शिकायत तब एफआईआर

मामले में पुलिस की टालमटोल का आलम यह था कि परिजन मंगलवार को एसपी ऑफिस के चक्कर काटने पड़े, जिसके बाद कहीं जाकर मामले की एफआईआर दर्ज हो सकी थी। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 296(ए), 115(2), 118(1), 329(4), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था।

मौत के बाद फूटा गुस्सा दोषियों पर कार्यवाही की मांग

बुधवार की सुबह अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे इंदर सिंह ने आखिरकार दम तोड़ दिया जिसके बाद आक्रोशित जनो ने थाने को घेर लिया। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना है कि इंदर की मौत चोटों से ज्यादा पुलिस की लापरवाही, उसे बेवजह लॉकअप में रखने और समय पर इलाज न मिलने के कारण हुई हैदोषियों पर मांग पर अड़ गए। एसडीओपी लोकेश डाबर ने बताया कि मामले में जांच के आदेश एसपी द्वारा दे दिए गए। हर एंगल पर तफ्तीश चल रही है जांच में जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। युवक की मौत के बाद मामले में हत्या की धाराएं बढेगी।

लॉकअप में बहता रहा लहू, हालत बिगड़ी तो अस्पताल भेजा

घटना के बाद परिजन गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ इंदर को लेकर तुरंत बेलखेड़ा थाने पहुंचे। दूसरा पक्ष भी थाने पहुंचा जिसके इशारे पर पुलिस ने अपराधियों पर कार्रवाई करने की बजाय उल्टे पीड़ित पक्ष पर ही रौब झाड़ा। पुलिस ने इंदर की एफआईआर दर्ज नहीं की और उसे तड़पती हालत में 3 घंटे तक लॉकअप में बंद रखा। इस दौरान इंदर के सिर में चोट थी। लहू बहता रहा। जब इंदर की हालत बेहद नाजुक हो गई, तब उसे अस्पताल भेजा गया था।

यात्रियों की संख्या में 14 प्रतिशत की हुई वृद्धि

जबलपुर, नवभारत। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मंडलों में यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। महाप्रबंधक के मार्गदर्शन एवं प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्षों के निर्देशन तथा तीनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में पश्चिम मध्य रेल ने मई 2026 में यात्री यातायात से 236 करोड़ 89 लाख रूपये ओरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया। इस उपलब्धि में जबलपुर मंडल तीनों मंडलों में अव्वल रहा है यह उपलब्धि पिछले वर्ष के इसी माह में प्राप्त 207 करोड़ 59 लाख रुपये की तुलना में 14.12 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्शाता है। दर्ज वृद्धि रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य रूपये 228 करोड़ 93 लाख की तुलना में 3.48 प्रतिशत अधिक है। वही प्रदर्शन की बात करें तो यात्री यातायात से मई 2026 में जबलपुर मंडल ने 96 करोड़ रुपये, भोपाल मंडल ने 89 करोड़ 91 लाख रुपये तथा कोटा मंडल ने 50 करोड़ 98 लाख का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया।

पहली बरसात में ही ठप हुए सब स्टेशन, ये कैसा मेंटेनेंस ?

जबलपुर, नवभारत। मंगलवार दोपहर आई आंधी और तेज बारिश ने जिले की बिजली व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से शहर के अनेक क्षेत्रों में शाम को जलापूर्ति बाधित रही, जिससे लोग परेशान होते रहे। जोरदार बारिश व हवा से ही घंटों बिजली गुल हो जाने और दर्जनों बिजली के खंभे टूटने से करोड़ों के प्री मेंटेनेंस पर सवाल उठ रहे हैं। प्री-मानसून की पहली बारिश और तेज हवाओं के आते ही शहर व ग्रामीण इलाकों की बिजली सप्लाई पूरी तरह ठप हो गई। अधिकारियों के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र से लगभग 600 और शहर इलाकों से लगभग 1200 शिकायतें प्राप्त हुई। हर साल मानसून से पहले मेंटेनेंस के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन हल्की आंधी में ही तार टूटने और फॉल्ट आने से दावों की कलई खुल जाती है।

शिकायतों का हुआ समाधान

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड से जुड़े जिम्मेदारों ने बताया कि इस प्राकृतिक आपदा के बीच प्रभावित उपभोक्ताओं की मदद के लिए कंपनी का टोल फ्री नंबर 1912 सबसे बड़ा मददगार बनकर उभरा। कम्पनी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार कंपनी के टोल फ्री नंबर पर समय पर शिकायत है दर्ज हुई और उनका रिकॉर्ड टाइम में निराकरण किया गया। बता दे कि तेज हवाओं और बारिश के कारण जबलपुर सहित विभिन्न जिलों में बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए थे।

सात सब स्टेशन हुए थे बंद

विभाग से जुड़े बड़े अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर शहरी क्षेत्र के 7 और ग्रामीण क्षेत्र के 6 सब स्टेशन बंद हुए थे। जिसे देर रात तक दुरुस्त कर लिया गया था। बता दे कि शहर में आंधी-तूफान के कारण कई स्थानों पर दर्जनों बिजली के खंभे टूट कर गिर गए, जिससे घंटों तक ब्लैकआउट जैसी स्थिति पैदा हो गई। हालात इतने बिगड़ गए कि शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति ठप होने के साथ-साथ उपभोक्ताओं की शिकायत दर्ज करने वाला 1912 कॉल सेंटर भी जवाब दे गया। तेज हवा और बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में पेड़ और बड़ी डालियां बिजली लाइनों पर गिर गईं।

इनका कहना है

प्री मेंटेनेंस का कार्य लगातार जारी है। आंधी तूफान के कारण बिजली की तारों पर पेड़ की टहनियाँ गिर जाती है। जिससे विद्युत सप्लाई बाधित हो जाती है।

एस के गिरिया
मुख्य अभियंता
जबलपुर क्षेत्र

खंभे में दौड़ रहे करंट ने ली मासूम की जान

नवभारत, जबलपुर। गौर स्थित कुड़रिया में बिजली के खंभे में दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से एक मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है। बिजली विभाग की लापरवाही से लोगों में आक्रोश है। जानकारी के अनुसार, ग्राम कुड़रिया गौर निवासी संदीप कनौजिया का 7 वर्षीय पुत्र श्लोक कनौजिया बुधवार की सुबह घर के पीछे स्थित खेत की तरफ शौच के लिए गया हुआ था। जब काफी देर बीत जाने के बाद भी श्लोक घर वापस नहीं लौटा, तो परिजनों की चिंता बढ़ने लगी। किसी अनहोनी की आशंका के चलते परिजन उसे ढूंढते हुए खेत की तरफ गए। खोजबीन के दौरान परिजनों ने श्लोक को जमीन पर बेसुध पड़ा देखा। वहां का मंजर देखकर उनकी चीख निकल गई। वह खेत में दौड़ रहे बिजली के करंट की चपेट में आ गया था। बदहवास परिजन मासूम को तुरंत उठाकर पास के एक अस्पताल लेकर भागे, ताकि उसकी जान बचाई जा सके। हालांकि, अस्पताल के डॉक्टर ने परीक्षण के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों की घोषणा सुनते ही अस्पताल परिसर चीखों से गूंज उठा। आरोप है कि इस क्षेत्र में लंबे समय से बिजली के तार झूल रहे थे और खंभे में भी करंट उतर रहा था। इस खतरे को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायतें दी गई थीं। इसके बावजूद लापरवाह अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगी और किसी ने समस्या को ठीक करना जरूरी नहीं समझा। मंगलवार की शाम को तेज आंधी और बारिश हुई थी। विभाग की अनदेखी के चलते झूलते तारों का करंट फैल गया। बुधवार की सुबह जैसे ही मासूम श्लोक वहां पहुंचा, वह इस घातक करंट की चपेट में आ गया और उसकी जान चली गई।

हिरण नदी में डूबने से बच्चे की मौत

नवभारत, जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत हिरण नदी में 8 वर्षीय मासूम प्रिंस रैकवार समा गया। ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद उसे पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक मासूम की सांसें टूट चुकी थीं। पाटन पुलिस के अनुसार, हल्केभाई रैकवार 44 वर्ष निवासी ग्राम थाना की पत्नी दीपा रैकवार 42 वर्ष, नाती प्रिंस रैकवार 8 वर्ष, ऋषि रैकवार को साथ लेकर हिरन नदी में बुधवार दोपहर कपड़े धोने व नहाने के लिये गयी थी हल्केभाई रैकवार का बड़ा नाती प्रिंस रैकवार नानी के पास खेलते खेलते अचानक हिरन नदी के गहरे पानी में चला गया। पैर फिसल से गिरा प्रिंस अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे डूबता देख साथ गए वहां मौजूद हर किसी के हाथ-पांव फूल गए। जिस वक्त यह हादसा हुआ, नदी के दूसरे घाट पर कुछ महिलाएँ कपड़े धो रही थीं। प्रिंस को तड़पता और डूबता देख महिलाओं और बच्चों ने जोर-जोर से शोर मचाना शुरू किया। चीख-पुकार सुनकर कुछ लोग नदी पर पहुँचे और नदी के गहरे पानी में छलांग लगाई और कड़ी मशक्कत के बाद प्रिंस को बाहर निकाला। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस हादसे ने पूरे गाँव की आँखों को नम कर दिया है। मृतक प्रिंस की जिंदगी पहले से ही दुखों से भरी थी। उसके सिर से माता-पिता का साया बहुत पहले ही उठ चुका था। प्रिंस अपने ननिहाल में नाना, नानी और मामा के आसरे रह रहा था। ननिहाल पक्ष ने उसे बहुत लाड-प्यार से पाला था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। मासूम की मौत से पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया है और मामले की जाँच कर रही है।

झाड़ियों में मिली लाश

नवभारत, जबलपुर। पनागर थाना अंतर्गत गोसलपुर से देवरी रेलवे स्टेशन के बीच अप ट्रैक के पास झाड़ियों में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक की मौत ट्रेन से कटने के कारण आई गंभीर चोटों की वजह से हुई है। पुलिस के मुताबिक, देवरी रेलवे स्टेशन प्रबंधक की ओर से दिनेश काछी 45 वर्ष, निवासी फॉरेस्ट रेंज कंपाउंड, ह्वीराबाग, थाना बेलबाग ने सूचना दी कि गोसलपुर और देवरी के बीच अप ट्रैक के किनारे झाड़ियों में एक अज्ञात पुरुष का शव पड़ा हुआ है। शिकायत मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। मृतक की उम्र करीब 35 से 40 वर्ष के बीच है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

मीनाक्षी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं : सांसद विवेक तन्खा

जबलपुर, नवभारत। राज्यसभा चुनाव के नामांकन से जुड़े पूरे घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने इस पूरे घटनाक्रम पर असंतोष जाहिर करते हुए कहा कि भाजपा अब तक वोट चोरी करती थी लेकिन यह तो सीधे सीट चोरी का मामला सामने आया है। यह सीधे तौर पर लोकतंत्र की हत्या है। चुनाव आयोग सत्ता के इशारे पर काम कर रहा है। वह अपनी निष्पक्ष रहने की भूमिका को भूल चुका है। कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा के लिए नामांकन रद्द होना कांग्रेस के लिए एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। अब कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा के ऊपर कांग्रेसियों की निगाहें लगी हुई हैं। श्री तन्खा ने कहा कि मीनाक्षी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं है। उन्हें तेलंगाना के कोर्ट से केवल एक नोटिस मिला था और उसका जवाब भी दिया गया था। ऐसे में नामांकन निरस्त करना लोकतंत्र के खिलाफ है इसके खिलाफ वह चुनाव आयोग जाएंगे। अब न्यायिक प्रक्रिया को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी।

12 वर्षों की राष्ट्रसेवा और समर्पण को नमन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का

प्रदेश के 8.5 करोड़ नागरिकों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से

हार्दिक आभार और अभिनंदन

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

सादर प्रणाम

भारतवर्ष के प्रधानमंत्री के रूप में आपके यशस्वी नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मध्यप्रदेश की समस्त जनता तथा अपनी ओर से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। आपके दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, आधारभूत संरचना निर्माण तथा वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपके इस स्वर्णिम कार्यकाल की एक प्रमुख विशेषता, विश्व अर्थव्यवस्था के पटल पर भारत की अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरना रहा है। रूस यूक्रेन संकट में ऑपरेशन गंगा, कोविडकाल में वैक्सीन मैत्री, जी-20 की अध्यक्षता इन सभी में भारत एक वर्ल्ड लीडर के रूप में सामने आया है। आतंकवाद के विरुद्ध आपकी जीरो टॉलरेंस सभी ने देखी। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद बालाकोट स्ट्राइक और पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर, हर बार आपके मजबूत नेतृत्व में भारत ने दुश्मन को करारा जवाब दिया है।

आपके मन में देश के गरीब, किसान, मध्यम वर्ग के लोगों के लिये गहन संवेदना है। यही कारण है कि पिछले 12 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। आज पूरे देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। आपने 4 करोड़ से अधिक लोगों को पक्के मकान देकर उनका पक्की छत का सपना साकार किया है। जल जीवन मिशन से नल से जल की व्यवस्था हुई है। देश के अन्नदाता के प्रति आपकी सोच का ही परिणाम है कि पीएम किसान सम्मान निधि में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों के बैंक खातों में जा चुकी है।

नारी सशक्तिकरण के लिये आपके प्रयास हम सब के लिये अनुकरणीय है। लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के लिये आपकी प्रतिबद्धता और समर्पण वंदनीय है। पिछले 12 वर्षों में आपने नारी सशक्तिकरण के लिये पीएम उज्ज्वला योजना, स्व-सहायता समूहों का गठन, लखपति दीदी, पीएम सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम मातृ वंदना जैसी अनेक योजनाओं की सौगात दी। आज देश में 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में महिला निदेशक हैं।

प्रदेश को हमेशा पल-पल पर आपका मार्गदर्शन स्नेह और आशीर्वाद मिला है। आपने मध्यप्रदेश को केन- बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना जैसी सिंचाई परियोजनाओं की सौगात दी है, आपके नेतृत्व में मध्यप्रदेश औद्योगिकीकरण के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। फरवरी 2025 में आपने स्वयं पधार कर भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का उद्घाटन कर हमें अनुग्रहीत किया था। पिछले 2 वर्षों में प्रदेश को 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और तेजी से ये धरातल पर उतर रहे हैं। आपके ही कर कमलों से धार में देश के पहले टेक्सटाइल पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन आपके जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में सम्पन्न हुआ।

आपका आशीर्वाद मध्यप्रदेश को सभी क्षेत्रों में मिला है। आपने सड़क अधोसंरचना में मध्यप्रदेश को बड़ी सौगातें दी हैं। आपने 136 कि.मी. लंबे लगभग 3 हजार करोड़ रुपये लागत से उज्जैन- गरोठ ग्रीन फील्ड हाईवे का निर्माण कराया जिससे इंदौर एवं उज्जैन के लोगों को दिल्ली से कनेक्टिविटी मिली। इसी तरह राष्ट्रीय राजमार्ग-46 के इटारसी-बैतूल 22 कि.मी. टाइगर कॉरिडोर, भोपाल- कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति, 6-लेन आगरा - ग्वालियर राष्ट्रीय हाई स्पीड कॉरिडोर की परियोजना की स्वीकृति प्रदान की। आपके द्वारा प्रदेश को दी गई कई सड़क परियोजनायें प्रगतिरत हैं।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में वर्ष 2026 "कृषक कल्याण वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गेहूं में समर्थन मूल्य पर 13.42 लाख किसानों द्वारा 104.36 लाख मे. टन गेहूं विक्रय किया गया है। यह विगत 10 वर्षों में सर्वाधिक है। भावान्तर योजना के अंतर्गत सोयाबीन उत्पादक लगभग 6 लाख 86 हजार किसानों के खाते में लगभग 1 हजार 454 करोड़ रुपये की राशि का अंतरण किया गया है।

आपके नेतृत्व में गरीबों के कल्याण से संबंधित योजनाओं में मध्यप्रदेश लगातार कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास (शहरी) में 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को अपना पक्का घर मिला है वहीं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में 54.08 लाख नागरिकों को आवास मिले हैं। आवास पूर्णता में संख्यात्मक रूप में प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इसी तरह से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रदेश में 15.94 लाख प्रकरणों में 2697 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया है। इस योजना में मध्यप्रदेश देश में प्रथम है।

आपके मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से प्रगति हुई है। प्रदेश में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 14 से बढ़कर 19 तथा निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 12 से बढ़ कर 14 हो गई है। इसी तरह से भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद का भी आपके मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विस्तार कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में 7 शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय हैं तथा 8 नए कॉलेज स्थापित किये जा रहें हैं। आपकी राष्ट्र को स्वास्थ्य क्षेत्र में दी गई सबसे बड़ी सौगात "आयुष्मान भारत" में जनसंख्या अनुपात में आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।

आप ने इन 12 वर्षों में भारत वर्ष के गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक विरासत को भी पुन: जागृत किया। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र की चेतना का जागरण है। आपके द्वारा काशी विश्वनाथ धाम, श्री महाकाल महालोक, केदारनाथ धाम एवं सोमनाथ धाम का विकास वर्तमान पीढ़ी एवं आने वाली पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अद्भुत प्रयास है। वर्ष 2014 में आपके प्रयास से संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। आज 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपना चुके हैं। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति को मिली विश्व की सबसे बड़ी मान्यता है।

आपके कुशल एवं दृढ़ नेतृत्व में पूरे भारत वर्ष में मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था, उसे मध्यप्रदेश ने भी प्राप्त कर लिया। यह आपकी दृढ़ इच्छा शक्ति का ही परिणाम है कि दशकों से चली आ रही एक राष्ट्रीय समस्या का उन्मूलन संभव हो सका। अब आपके मार्गदर्शन में नक्सल प्रभावित गाँवों के त्वरित विकास के लिये माइक्रो डेवलपमेंट प्लान तैयार किया जा रहा है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र ने देश एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान की है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सफल नेतृत्व की कामना करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में भारत अमृतकाल के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए विश्व में और अधिक गौरवशाली स्थान प्राप्त करेगा।

सादर !

भवदीय

(डॉ. मोहन यादव)

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D-11032/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026